epaper
हिन्दुस्तान

18/12/2021

अधिवेशन

मुख्यमंत्री ने कहा: भारत की जीन में सहकारिता

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार सहकारिता के लिए नई नीति तैयार कर रही है। इसके बारे में देश की जनता के साथ-साथ सहकारिता के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं से सुझाव लिए जाएंगे। वेबसाइट पर लोग अपने सुझाव दे सकेंगे। उन्होंने यह बात शुक्रवार को सहकार भारती के राष्ट्रीय अधिवेशन में कही। अधिवेशन राजधानी के राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर में हुआ। इस दौरान श्री शाह ने सीएम योगी की कई बार तारीफ की।

शाह ने कहा कि नाबार्ड से लेकर सभी सहकारी समितियों को हाईटेक बनाया जाएगा। सहकारिता के प्रशिक्षण के लिए भी अमूलचूल परिवर्तन करेंगे। जब प्राइमरी स्तर पर प्रशिक्षण देंगे, तभी लोगों को लाभ मिलेगा, पारदर्शिता आएगी। सरकार जैविक खेती करने वालों के लिए मार्केटिंग के साथ-साथ अन्य संसाधन उपलब्ध कराएगी ताकि लाभ सीधे किसानों के खाते में पहुंचे। को-ऑपरेटिव के साथ दूसरे सिटीजन की तरह व्यवहार नहीं होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वह कहते हैं कि सहकारिता के बिना पूरा विकास नहीं हो सकता है।

राजधानी के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में शुक्रवार को सहकार भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

रमाबाई अंबेडकर रैली ग्राउंड में निषाद पार्टी द्वारा आयोजित सरकार बनाओ अधिकार पाओ रैली में गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सुनने के लिए मैदान में भारी भीड़ उमड़ी।

राज्यों को तीन हिस्सों में बांटना होगा

शाह ने कहा कि सहकारिता के लिए सहकार भारती को और मजबूत काम करना होगा। जो रिक्तिता है, उसे भरना होगा। हर शहर में काम करना होगा। सहकारिता के विकास के लिए तीन हिस्सों में राज्यों का विभाजन करना होगा। एक डेवलप्ड स्टेट, दूसरा डेवलपिंग स्टेट और तीसरा अनडेवलप स्टेट।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सहकारिता भारत की जीन में है। यह भारत की आत्मा है। गांव में विभिन्न आयोजनों में जिस तरह लोग सहयोग देते हैं यह सहकारिता का अच्छा उदाहरण है। उन्होंने कहा, यूपी बिहार में समितियां तमाम आयोजन करती हैं। इनमें लोग बिना सरकारी मदद योगदान देते हैं। गांव में यज्ञ होते है। इसमें किसान जहां अपनी फसल का योगदान देते हैं, वही कारपेंटर यज्ञशाला बनाने का काम करता है। महिलाएं मंगल गान करती हैं। सहकारिता का इससे बड़ा उदाहरण नहीं हो सकता।